CLASS VIII (2017-18)

Chapters of TERM – I to be included in the final examination to be held at the end of TERM-II

ENGLISH LITERATURE			
Ch-1	Fiction –Three Questions		
Ch-2	Poetry – Granny's Tree Climbing		
Ch-3	Fiction – The Fun They Had		
ENGLISH	ENGLISH PRACTICE BOOK		
Unit-1	Tenses		
Unit-3	Modals		
Unit-4	Subject – Verb Agreement		
WRITING SKILLS			
NOTICE A	ND SPEECH		
Note: Sug	gested Topics for Q-5 remain the		
same. (Please refer to page-15 of 'Courses of			
Study and Scheme of Marking' booklet)			

MATHEM	ATICS
Unit-1	Squares and Square Roots
Unit-7	Algebraic Identities
Unit-10	Parallel Lines
Unit-14	Mensuration

SOCIAL	SCIENCE		
GEOGR	АРНҮ		
Ch-2	Natural Resources : Land, Soil and		
	Water		
HISTOF	HISTORY		
Ch-9	Establishment of Company rule in		
	India		
POLITICAL SCIENCE			
Ch-18	The Union Legislature		

*			
SCIENCE	SCIENCE		
PHYSICS			
Ch-4	Force and Pressure		
Ch-16	Electric Current and its chemical		
	effects		
CHEMIST	CHEMISTRY		
Ch-7	Combustion		
BIOLOGY			
Ch-2	Micro-Organisms: Friends and		
	Foes		
Ch-9	Crop Production and its		
	Management		

नैतिक शिक्षा

पाठ	2		ईश्वर का सर्वश्रेष्ठ नाम
पाठ	5	(eeeec	गायत्री जप का प्रभाव
पाठ	8	,	पञ्च महायज्ञ
पाठ	9	- white	डी.ए.वी. गान
पाठ	10	-	योग की पहली सीढ़ी - यम

हिन्दी

पाठ 3 - अच्छे पड़ोसी के गुण पाठ 4 - दोपहरी पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण पाठ 10 - बातचीत की कला अभ्यास - सागर पाठ 3 - अच्छे पड़ोसी के गुण (क) उपसर्ग - प्रत्यय (ख) अनुनासिक चिहन पाठ 4 - दोपहरी अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन		
पाठ 4 - दोपहरी पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण पाठ 10 - बातचीत की कला अभ्यास - सागर पाठ 3 - अच्छे पड़ोसी के गुण (क) उपसर्ग - प्रत्यय (ख) अनुनासिक चिह्न (ग) विराम - चिह्न पाठ 4 - दोपहरी अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन	ज्ञान सागर -	
पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण पाठ 10 - बातचीत की कला अभ्यास - सागर पाठ 3 - अच्छे पड़ोसी के गुण (क) उपसर्ग - प्रत्यय (ख) अनुनासिक चिह्न पाठ 4 - दोपहरी अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन	पाट 3 -	अच्छे पड़ोसी के गुण
पाठ 10 - बातचीत की कला अभ्यास - सागर पाठ 3 - अच्छे पड़ोसी के गुण (क) उपसर्ग - प्रत्यय (ख) अनुनासिक चिह्न पाठ 4 - दोपहरी अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन	पाठ 4 –	दोपहरी
अभ्यास – सागर पाठ ३ – अच्छे पड़ोसी के गुण (क) उपसर्ग – प्रत्यय (ख) अनुनासिक चिह्न (ग) विराम – चिह्न पाठ ४ – दोपहरी अभ्यास सागर – अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ ६ – आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर – (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन	ਧਾਰ 6 –	आश्रम के अतिथि और संस्मरण
पाठ 3 - अच्छे पड़ोसी के गुण (क) उपसर्ग - प्रत्यय (ख) अनुनासिक चिह्न (ग) विराम - चिह्न पाठ 4 - दोपहरी अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन		बातचीत की कला
(क) उपसर्ग - प्रत्यय (ख) अनुनासिक चिह्न (ग) विराम - चिह्न पाठ 4 - दोपहरी अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन	अन्यात - तानर	
(ख) अनुनासिक चिह्न (ग) विराम - चिह्न पाठ 4 - दोपहरी अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन	पाठ 3 -	अच्छे पड़ोसी के गुण
(ग) विराम - चिह्न पाठ ४ - दोपहरी अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ ७ - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन		(क) उपसर्ग - प्रत्यय
पाठ 4 – दोपहरी अभ्यास सागर – अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 – आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर – (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन		(ख) अनुनासिक चिह्न
पाठ 4 – दोपहरी अभ्यास सागर – अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 – आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर – (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन		(ग) विराम - चिहन
अभ्यास सागर - अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण) पाठ 6 - आश्रम के अतिथि और संस्मरण अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन	पार 4 -	
अभ्यास सागर - (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन		नंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण)
अभ्यास सागर – (क) भाववाचक संज्ञा (ख) पर्यायवाची (ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन	पाठ 6 -	आश्रम के अतिथि और संस्मरण
(ग) समानार्थी (घ) विराम-चिहन		(क) भाववाचक संज्ञा
(घ) विराम-चिह्न		(ख) पर्यायवाची
		(ग) समानार्थी
		(घ) विराम-चिह्न
पाठ [() — बातचात का कला	पाठ 10 -	बातचीत की कला

संस्कृतम्

(ख) विशेषण (ग) विलोम

(क) संधि - (स्वर संधि)

			*		
अनुप्रयुक्तव्याकरणम् सन्धिः सङ्ख्याः अव्ययपदानि प्रत्ययाः उपपदविभक्तयः		प्रथमसत्रात्	पंडित-अवबोध प्रथम: पाड: चतुर्थ: पाड: पच्ट: पाट:	***	सुवचनानि क्षमस्य महर्मे। मधुराणि वचनानि
उपसर्गाः]				

(ODIA)

T.			
ପାଠ୍ୟପୃତ୍ତକ – ସାହି	ହିତ୍ୟିକୀ, ପ୍ରକାଶକ – ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ		
ପଦ୍ୟ – ପାଠ – ୧ ବୃକ୍ଷମାହାତ୍ୟୁ			
ପାଠ - ୨	ଜଳ		
ଗଦ୍ୟ - ପାଠ - ୯	ମୋର ଆସାମ ଭ୍ରମଣ		
ପାଠ - ୧୦	ରୋଗାସେବା		
ଗଳ୍ପ -୧୫	ଡାକମୁନ୍ସି		
ଆମ ବ୍ୟାକରଣ , ପ୍ର	କାଶକ – ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ		
ବ୍ୟାକରଣ	ଲିଙ୍ଗ , ସମୋଚ୍ଚାରିତ ଶବ୍ଦ , ବିପରୀତାର୍ଥିବୋଧକ ଶ		